HWGO: Imparting Digital Literacy to women living at the bottom of pyramid!

HWGO: A Summary

In month of October, HWGO programme has helped 75000 to go online and experience the virtual world. The programme is presently on full swing with training programme for women belonging to students, self-help groups (SHGs); Panchayat samiti; women entrepreneurs; women NGO functionaries; dropout girls and housewives.

After the completion of October 2014, through Community Information Resource Center (CIRC) we have covered approx. over **75000** of women; adolescent and dropout girls across India. Though Google's HWGO program was running on full paced since last two months in all CIRC across India. But, due to too many festivals and holidays in last month our work got affected. However we succeeded to achieve above mentioned numbers. Now in November 5, 2014, we making some new strategies and will implement that to achieve left numbers. Hereby, few location from where the numbers have been achieved are:

Assam	Nagaon, Sonapur, Guwahati
Bihar	West Champaran, Muzaffarpur, Vaishali, Katihar, Kishanganj
Madhya Pradesh	Shivpuri, Chanderi
Rajasthan	Alwar, Baran, Jaipur, Jodhpur, Ajmer, Rajsamand
Jharkhand	Ranchi, Giridih
Orissa	Bhadrak
Tripura	Panisagar
Meghalaya	Tura
Andhra Pradesh	Vishakhapatnam, Hyderabad
Uttar Pradesh	Farrukhabad
Uttarakhand	Tehri Garhwal
Punchab	Chandigarh
Jammu & Kashmir	Jammu

Training Methodology

We have adopted various methodologies for achieving the target:

#1- Workshop Model for villagers/SHG groups

#2- Seminar Model for social workers @ Panchayat level

#3 Partnership Model with grass root NGOs, Govt. Schools

#4 Short Programme at each CIRCs

Issues & Challenges:

Although, we have succeeded to streamline our all CIRCs and partners to achieve target, still there are many challenges to overcome. They are;

- As per villagers response, 4hrs programme is not sufficient to train and open an email account
- In rural areas everyone don't use mobile phone, so its difficult to open email ID @Gmail without verification through mobile. Even at some places even 2G connectivity is not effective.
- In villages as everywhere there is electricity and connectivity problem, so to train 100 of women at a time through projector, generator or battery backup and internet data card is required.
- For any group class, at least one full day extensive mobilization and campaign is required.

Action Plan and Support

Considering the lack of connectivity and electricity issue in remote areas, we are providing internet dongles, laptops, projectors, transportation and additional manpower to speed up and achieve target within the deadline. But, for electricity backup to run projector we are banking on local generator supply. Moreover, for achieving big numbers, we are also trying to engage govt. agencies and make HWGO training mandatory in all girls' schools in few states like Bihar. All documentation is this regard is already being done simultaneously. Beside this we are also engaging local NGOs as partner in this mission to achieve targets. From the month of October we have engaged 25-50 interns who is work in different locations and also we increasing the partnership with different NGO's to provide HWGO training in different locations of India. With all of the action taken by us we will surely achieve the target to provide HWGO trainings to 1,80,000 women by the end of December 2014.

Here are the few latest photographs for your reference

Media Coverage

महिलाओं को कंप्यूटर की मिली जानकारी

प्रभात खबर 27-10-14

बलिया बेलौन. बलिया बेलौन क्षेत्र के ग्राम रैयापुर, बेनीबाड़ी में रविवार को कंप्यूटर साक्षरता के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन दिल्ली की संस्था डिजिटल इंपावरमेंट फाउंडेशन द्वारा सर सैयद विस्टा सोसाइटी के सहयोग से किया गया. इस अवसर पर करीब दो सौ ग्रामीण महिलाओं को कंप्यूटर की प्रारंभिक जानकारी देते हुए गूगल, इंटरनेट की जानकारी इसके लाभ, इमेल का प्रयोग, इंटरनेट सर्चिंग, ऑन लाइन आवेदन की विधि आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी. सालमारी स्थित सामुदायिक सूचना संसाधन केंद्र के संचालक मो रासिख यजदानी ने बताया कि कंप्यूटर साक्षरता जागरूकता शिविर के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को गृहणी के काम से ऊपर उठ कर कंप्यूटर का माउस पकड़वाना मुख्य उद्देश्य है. इस अवसर पर सर सैयद विस्टा सोसाइटी के सचिव मो मुशफिक कमाली, अध्यक्ष मो शौकत हुसैन सहित हाजी मरगुबूल हक, गोलाम आमीर, मो जहांगीर, अशरफ, मो अबसार सिद्दीकी, मो अनवर हुसैन, मो इम्तियाज आदि उपस्थित थे.

राष्ट्रीय सहारा 23/10/2014

छात्राओं को मिली कम्प्यूटर की जानकारी

कम्प्यूटर की जानकारी हासिल करती ग्रामीण बच्चियां।

मैनाटांड़ (एसएनबी)। गूगल और डी.इ.फ के सहयोग से पश्चिम चंपारण में एसोसिएशन फॉर कम्युनिटी रिसर्च एंड एक्शन के तहत हर महिलाओ को ऑनलाइन लाने की पहल के तहत विभिन्न विद्यालयों में कम्प्यूटर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इसकी जानकारी देते हुए एकरा के निदेशक सईद सिद्धिकीर ने बताया कि इसी कड़ी में आपके गांव आपके द्वार पे पहुंचकर ग्रामीण महिलाओ को तकनिकी रूप से ससक्त करने के लिए एक पहल किया गया है। ताकि कंप्यूटर की मदद से कैसे महिलाएं दुनिया की खबर लेंगी। इस कंप्यूटर ट्रेनिंग प्रोग्राम को पश्चिम चंपारण के हर गाँव गाँव में एसोसिएशन फॉर कम्युनिटी रिसर्च एंड एक्शन के तहत कार्यकर्म को चलाया जा रहा है।

आज मैनाटांड़ ब्लॉक के राजकीय उत्क्रमित मध्य विधालय, सिसवा ताजपुर और राजकीय उत्क्रमित मध्य विधालय, भगनही गांव के छात्राओं व महिलाओ को ट्रेनिंग दिया गया। उन्होंने बताया कि पुरे जिले के हर ब्लॉक व पंचायत के हर हाई स्कूल व कॉलेज व गाँव की महिलाओ को इस कार्यकर्म में जोड़ने कार्य किया जा जायेगा।

प्रभात खबर 25/10/2014

छात्राओं को दी कंप्यूटर की जानकारी

रामनगर. शुक्रवार को नगर क्षेत्र के जुलाहा टोली की छात्राओं व महिलाओं को कंप्यूटर की बेसिक जानकारी दी गई. विदित हो कि गूगल व डीइएफ के सहयोग से पूरे जिले में एसोसिएशन फार कम्युनिटी रिसर्च एंड एक्शन के तहत महिलाओं को ऑनलाइन करने के पहल की शुरूआत की गई है. इसी अभियान के तहत शुक्रवार को महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया. एकरा के सचिव सईद, सिद्धिकी ने बताया कि प्रखंड के हर हाई स्कूल व शिक्षण संस्थानों के साथ साथ गांव गांव तक जा कर महिलाओं को इस कार्यक्रम से जोड़ा जा रहा है. ताकि कंप्यूटर की मदद से दूर देहात में रहने वाली महिलाएं भी देश दुनिया खबरों से वाकिफ हो सकें. शुक्रवार को जुलाहा टोली में आयोजित इस कार्यक्रम में खासी संख्या में छात्राएं व महिलाएं शामिल रही.

मत्स्यजीवी समितियों को दो दिनों की मोहलत

बगहा. मत्स्यजीवी समितियों के बीच चल रहे विवाद के निबटारे के लिए एसडीएम कक्ष में शुक्रवार को सुनवाई हुई. विवाद दो दिनों के अंदर आपसी सहमति से सुलझा लेने का निर्देश दिया गया है. एसडीएम मो. मंजूर आलम ने बताया कि बगहा एक प्रखंड में कई मत्स्यजीवी समितियों में विवाद चल रहा है. विवाद को सुलझाने के लिए समितियों के सदस्यों को बुलाया गया था. जिला मत्स्य पदाधिकारी प्रदीप कुमार भी उपस्थिति में सुनवाई हुई. मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सचिव रमेश साह एवं लगुनहा चौतरवा के कैलाशी देवी के बीच 102 जल कर के लिए विवाद है. उन्होंने निर्देश दिया कि दो दिनों में अपना विवाद सुलझा लें.

6 | दैनिक जागरण

25/10/2014

एक नजर

तकनीकी शिक्षा से आत्मनिर्भर होंगी महिलाएं

रामनगर : शुक्रवार को रामनगर नगर क्षेत्र के वार्ड नंबर 10 स्थित राजकीय प्राथमिक उर्दू विद्यालय बड़ी मस्जिद रामनगर, पुरानी बाजार मे गूगल एवं सीआइआरसी के तत्वाधान मे एसोसिएसन फार काम्युनिटी रिसर्च एण्ड एक्शन के तहत छात्राओं को कंप्यूटर का प्रारंभिक ज्ञान प्रशिक्षकों के द्वारा दिया गया। एकरा के सचिव सईद सिदि्दकी ने बताया कि आज के दौर मे तकनीकी शिक्षा के बगैर सफलता मिल पाना संभव रहा है। इस मौके पर प्रशिक्षक जावेद समेत अन्य उपस्थित थे।

Hindustan News, Giridih- 01.11.2014

तकनीक से अवगत हो रही हैं ग्रामीण महिलाएं

बिरनी। डेफ व गुगल के सहयोग से नवजागृति युवा मंडल सामुदायिक सूचना संसाधन केन्द्र बिरनी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं एवं स्कूली छात्राओं का सशक्तीकरण तकनीकी शिक्षा से किया जा रहा है। शुक्रवार को प्रखंड के आदर्श उच्च विद्यालय बेनुसारण में संस्थापक राजेश प्रसाद वर्मा ने बताया कि तकनीकी शिक्षा से महिलाएं घर बैठे इंटरनेट के माध्यम से देश विदेश की खबर व सूचना प्राप्त कर सकेंगी। मौके पर प्रशिक्षक सुधीर वर्मा, धीरज कुमार, स्वाति कुमारी, सोनम कुमारी, पूजा, दीपिका, सुषमा, सोनी आदि थे।

For more pics and news please visit

https://www.facebook.com/CIRCIndia

Find here some feedback videos

https://www.facebook.com/video.php?v=10205357241914346&set=o.670703036281181&type=2&theater

https://www.facebook.com/video.php?v=10205359160762316&set=o.670703036281181&type=2&theater